

केरल के तटीय क्षेत्रों में लू की स्थिति

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने केरल के त्रशिर में 40°C और कोल्लम तथा पलक्कड़ ज़िलों में 39°C तक हीटवेव की चेतावनी जारी की थी।

- हीटवेव अत्यधिक गर्म मौसम की लंबी अवधि है जो मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
 - भारत, एक उष्णकटिबंधीय देश होने के नाते, विशेष रूप से गर्मी की लहरों के प्रति संवेदनशील है।
- भारत में लू की घोषणा के लिए IMD मानदंड:
 - हीटवेव तब मानी जाती है जब किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी क्षेत्रों के लिये कम-से-कम 40°C और पहाड़ी क्षेत्रों हेतु कम-से-कम 30°C तक पहुँच जाता है।
 - तटीय स्टेशन का अधिकतम तापमान 37°C से अधिक या उसके बराबर होना चाहिये।
 - यदि किसी स्टेशन का सामान्य अधिकतम तापमान 40°C से कम या उसके बराबर है, तो सामान्य तापमान से 5°C से 6°C की वृद्धि को हीटवेव की स्थिति मानी जाती है।

Heat wave Scenario	40°C	30°C
Maximum Temperature	Plains	Hills
Heat wave conditions prevail when...	Severe heat wave conditions prevail when....	
Normal maximum temperature	Normal maximum temperature	Normal maximum temperature
Above	Above	Above
40°C	40°C	40°C
Deviation from normal	Deviation from normal	Deviation from normal
4-5°C or more	6°C or more	6°C or more
At or below	At or below	At or below
40°C	40°C	40°C
5-6°C or more	7°C or more	7°C or more

और पढ़ें: [हीट वेव्स और हीट डोम](#)

